

शब्द-शक्तियाँ

शब्द-शक्ति की परिभाषा :- शब्द-शक्ति का अर्थ है- शब्द की अभिव्यंजक शक्ति। वक्ता या लेखक के अभीष्ट(इच्छित) का बोध कराने का गुण ही शब्द-शक्ति है।

शब्द-शक्ति :- शब्द-शक्ति के तीन प्रकार हैं-

	शब्द-शक्ति	शब्द	अर्थ
1	अभिधा	वाचक	वाच्यार्थ या अभिधेयार्थ
2	लक्षणा	लक्षक	लक्ष्यार्थ या आरोपितार्थ
3	व्यंजना	व्यंजक	व्यंग्यार्थ या प्रतीयमानार्थ

1 अभिधा शब्द-शक्ति - शब्द की जिस शक्ति से किसी शब्द के सबसे साधारण, लोक, प्रचलित अथवा मुख्य अर्थ का बोध होता है, उसे अभिधा शब्द-शक्ति कहते हैं।

अभिधा शब्द-शक्ति में अभिधेयार्थ शब्द वाचक कहलाता है तथा प्राप्त अर्थ वाच्यार्थ कहलाता है।

अभिधा शब्द-शक्ति के उदाहरण-

- 1 राजा दशरथ अयोध्या के राजा थे।
- 2 गुलाब का फूल बहुत सुंदर है।
- 3 मोहन पुस्तक पढ़ रहा है।
- 4 गाय घास चर रही है।
- 5 राम पुस्तक पढ़ता है।
- 6 किसान खेत पर हल चलाता है।
- 7 बालक प्रतिदिन विद्यालय जाता है।

2 लक्षणा शब्द-शक्ति - जब किसी शब्द के मुख्यार्थ में बाधा हो या अभिधा से अभीष्ट अर्थ का बोध न हो तब अन्य अर्थ किसी लक्षण पर अथवा दीर्घ काल से माने जा रहे रूढ़ अर्थ पर आधारित होता है।

लक्षणा शब्द-शक्ति के दो भेद इस प्रकार हैं-

1 प्रयोजनवती लक्षणा

2 रूढ़ लक्षणा

लक्षणा शब्द-शक्ति के उदाहरण

- (1) लाला लाजपत राय पंजाब के शेर हैं।
- (2) सारा घर मेला देखने गया है।
- (3) नरेश तो गधा है।
- (4) वह हवा से बातें कर रहा था।
- (5) सैनिकों ने कमर कस ली है।
- (6) वह लड़का शेर है।
- (7) यह लड़की तो गाय है।
- (8) लाल पगड़ी जा रही है।
- (9) पुलिस देख चोर 'चौकन्ना' हो गया।

इसमें चोर द्वारा 'चौकन्ना' का अर्थ है- सजग हो जाना, सावधान हो जाना या अपने बचाव का उपाय सोच लेना। जबकि 'चौकन्ना' का शाब्दिक अर्थ है-चौ = चार, कन्ना = कान अर्थात् 'चार कान वाला' अतः दो की जगह चार कान कहने का तात्पर्य है- कानों का अधिकाधिक उपयोग करना,उनका पूरा लाभ उठाना। अतः यह अर्थ लक्षण पर आधारित हुआ।

- (10) राजेश का पुत्र तो 'ऊँट' हो गया है।

इसमें 'ऊँट' का अर्थ है- अधिक लंबा होना। यह अर्थ 'रुढ़ि' के आधार पर लिया गया है। अतःयह रुढ़ा लक्षणा कहलाता है।

2 व्यंजना शब्द-शक्ति - जब किसी शब्द का अर्थ न अभिधा से प्रकट होता है न लक्षणा से बल्कि कोई अन्य अर्थ ही प्रकट होता है। वहाँ व्यंजना शब्द-शक्ति होती है।

'व्यंजना' का अर्थ विकसित करना,स्पष्ट करना,रहस्य खोलना। अतः किसी शब्द का छुपा हुआ अन्य अर्थ ही ज्ञात करना ही व्यंजना शब्द-शक्ति कहलाती है।

व्यंजना शब्द-शक्ति के दो भेद इस प्रकार हैं-

1 शाब्दी व्यंजना

2 आर्थी व्यंजना

व्यंजना शब्द-शक्ति के उदाहरण

- (1)सुरेश ने कहा कि अरे रात हो गई।

(2) ' संध्या ' हो गई।

वाक्य का अर्थ चरवाहे के लिए घर लोटने का समय है तो पुजारी के लिए पूजन-वंदन का समय है।

(3) रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।

पानी गए न ऊबरे, मोती, मानुष, चून।।

इसमें ' पानी ' शब्द के तीन अर्थ (चमक, सम्मान एवं जल) उसके पर्याय रख देने पर नहीं रहेंगे।